

43

संख्या: 1678/VII-2-15/24-एम0एस0एम0ई0/2015

प्रेषक,

मनीषा पंवार,  
प्रमुख सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक, उद्योग,  
उद्योग निदेशालय, उत्तराखण्ड,  
देहरादून।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम अनुभाग

विषय: हरिराम टम्टा परम्परागत शिल्प उन्नयन संस्थान के कार्यालय भवन की मरम्मत एवं रंगाई-पुताई से संबंधित आंगणन की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति।

महोदय,

देहरादून: दिनांक 07 सितम्बर, 2015

उपर्युक्त विषयक उद्योग निदेशालय के पत्रांक:-517/उ0नि0/छ:/18/शि0उ0सं0/2013-14 दिनांक 05.05.2015 एवं पत्रांक:-1555/उ0नि0/06/18/शि0उ0सं0(पार्ट-2)/2013-14 दिनांक 14.07.2015 एवं वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या:-400/XXVII(1)/2015 दिनांक 01.04.2015 तथा शासनादेश संख्या:-645/XXVII(1)/2015 दिनांक 04.06.2015 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि हरिराम टम्टा परम्परागत शिल्प उन्नयन संस्थान के भवन की मरम्मत एवं रंगाई-पुताई से संबंधित आंगणन की तकनीकी समीक्षा (टी0ए0सी0) के उपरान्त औचित्यपूर्ण पायी गयी धनराशि (₹17.27 लाख तथा अधिप्राप्ति नियमावली के अंतर्गत ₹1.08 लाख) कुल धनराशि ₹18.35 लाख (रुपये अठ्ठारह लाख पैंतीस हजार मात्र) की वित्तीय एवं प्रशासकीय स्वीकृति "हरिराम टम्टा परम्परागत शिल्प उन्नयन संस्थान की स्थापना एवं सहायता योजना" के अंतर्गत निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबंधों के अधीन निर्गत किये जाने श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- (i) कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व विस्तृत आंगणन/मानचित्र पर सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
- (ii) कार्य पर मदवार उतना ही व्यय किया जाये जितनी मदवार धनराशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाए।
- (iii) कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित किया जाए।
- (iv) निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाए तथा विशिष्टियों के अनुरूप सामग्री ही प्रयोग में लायी जाए।
- (v) विस्तृत आंगणन में प्राविधानित डिजायन एवं मात्राओं हेतु संबंधित कार्यदायी संस्था पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- (vi) स्वीकृत विस्तृत आंगणन के प्राविधानों एवं तकनीकी स्वीकृति के आंगणन के प्राविधानों में परिवर्तन (केवल परिहार्य स्थिति की दशा में ही) करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की सहमति अनिवार्य रूप से प्राप्त कर ली जाए।
- (vii) मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या:-2047/XIV-219(2006) दिनांक 30.05.2006 में दिये गये आदेशों का कड़ाई से पालन किया जाए।



(viii) आंगणन गठित करते समय तथा कार्य प्रारम्भ कराने से पूर्व Uttarakhand Procurement Rules, 2008 का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

(ix) वितरण अधिकारी द्वारा उक्त धनराशि का मासिक व्यय विवरण बजट मैनुअल, उत्तराखण्ड में निर्धारित प्रपत्रों एवं निर्देशों के अनुसार व्यवस्थित करते हुए नियमित रूप से शासन को प्रेषित किया जायेगा।

(x) व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। इस संबंध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/अन्य आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। व्यय मात्र उन्हीं मदों में किया जायेगा, जिन मदों में धनराशि स्वीकृत की जा रही है। यह आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने में बजट मैनुअल/वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों का उल्लंघन होता हो। धनराशि व्यय के उपरांत व्यय की गई धनराशि का मासिक व्यय विवरण निर्धारित प्रपत्र पर नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।

(xi) स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय वित्त विभाग के शासनादेश संख्या:-400/XXVII(1)/2015 दिनांक 01.04.2015 तथा शासनादेश संख्या:-645/XXVII(1)/2015 दिनांक 04.06.2015 में इंगित शर्तों/प्रतिबंधों के अधीन किया जायेगा।

(xii) स्वीकृत धनराशि का दिनांक 31.03.2016 तक पूर्ण उपयोग कर लिया जायेगा। वर्षान्त तक स्वीकृत धनराशि के विपरीत वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा। व्यय के पश्चात् यदि कोई धनराशि अवशेष रहती है तो उसे दिनांक 31.03.2016 तक शासन को समर्पित कर दिया जायेगा।

2. उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 के अनुदान संख्या-23 के मुख्य लेखा शीर्ष-2851-ग्रामोद्योग तथा लघु उद्योग, 00-आयोजनागत, 103-हथकरघा उद्योग, 09-हरिराम टम्टा परम्परागत शिल्प उन्नयन संस्थान की स्थापना तथा सहायता योजना की मानक मद 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता मद के नामे डाला जायेगा।

3. यह आदेश वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन के अशा0सं0-53/XXVII(2)/2015 दिनांक 26 अगस्त, 2015 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक:- ऑलाटमेन्ट आई0डी0 संख्या S1509230018 दिनांक 02 सितम्बर, 2015

भवदीय,

(मनीषा पंवार)

प्रमुख सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 1678(1)/VII-2-15/24-एम0एस0एम0ई0/2015, तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्य हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओवराय विल्डिंग माजरा, देहरादून।
2. निदेशक, एन0आई0डी0, अहमदाबाद।
3. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
4. निदेशक, वित्त एवं कोषागार सेवायें, 23 लक्ष्मी रोड, देहरादून।
5. वित्त अनुभाग-2, उत्तराखण्ड शासन।
6. गार्ड-फाईल।

आज्ञा से,

धरेंद्र

(धीरेन्द्र कुमार सिंह)

अनु सचिव।



बजट आवंटन वित्तीय वर्ष - 20152016

Secretary, Small & Medium Scale Industry (S066)

अनुदान पत्र संख्या - .

अनुदान संख्या - 023

अलोटमेंट आई टी - S1509230018

आवंटन पत्र दिनांक -02-Sep-2015

HOD Name - Director Industries (2052)

लेखा शीर्षक 2851 - ग्रामीण उद्योग तथा लघु उद्योग  
103 - हथकरघा उद्योग  
00 - उ

00 -

09 - हरिराम टम्हा परम्परागत शिल्प उन्नयन संस्थान की

मानक मद का नाम	पूर्व में जारी	वर्तमान में जारी	Plan Voted
			योग
20 - सहायक अनुदान/अंशदान/राज	0	1835000	1835000
	0	1835000	1835000

Total Current Allotment To Head Of The Department In Above Schemes -

1835000